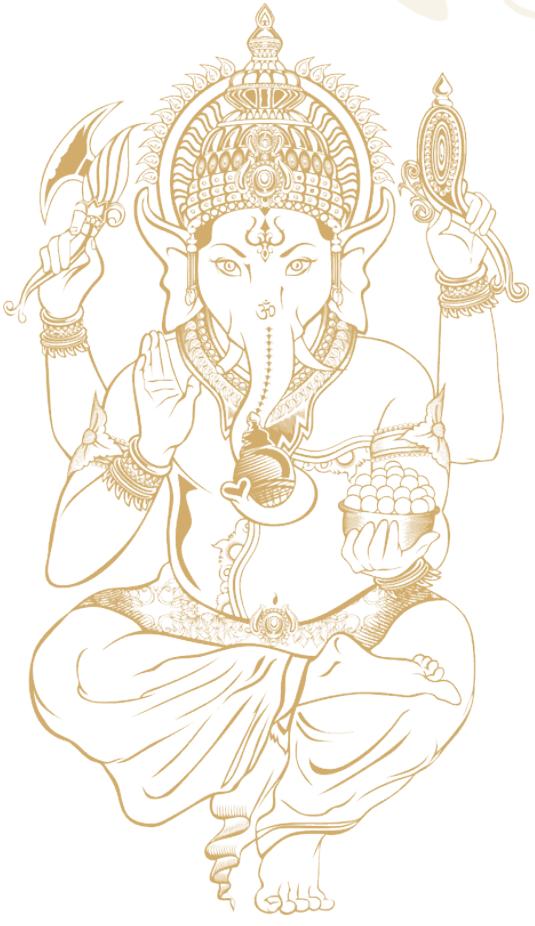

Ghnshyam

02 Oct 1999

12:45 AM

Bap

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935422

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/10/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**00:45:00 घंटे**
इष्ट	45:30:12 घटी
स्थान	**Bap**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:22:00 उत्तर
रेखांश	72:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:04:32 घंटे
वेलान्तर	00:10:07 घंटे
साम्पातिक काल	00:44:51 घंटे
सूर्योदय	06:32:55 घंटे
सूर्यास्त	18:27:19 घंटे
दिनमान	11:54:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:18:41 कन्या
लग्न के अंश	27:32:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:32:26	311:22:17	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	14:18:41	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			मिथु	09:31:22	14:06:28	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	25:20:25	00:41:39	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			तुला	01:03:48	01:30:52	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	08:52:58	00:06:43	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	02:07:11	00:37:33	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:24:40	00:03:14	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	17:26:41	00:00:41	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	17:26:41	00:00:41	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:12:07	00:01:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:46:46	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:24:29	00:01:23	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	18:20:11	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:59

लग्न-चलित

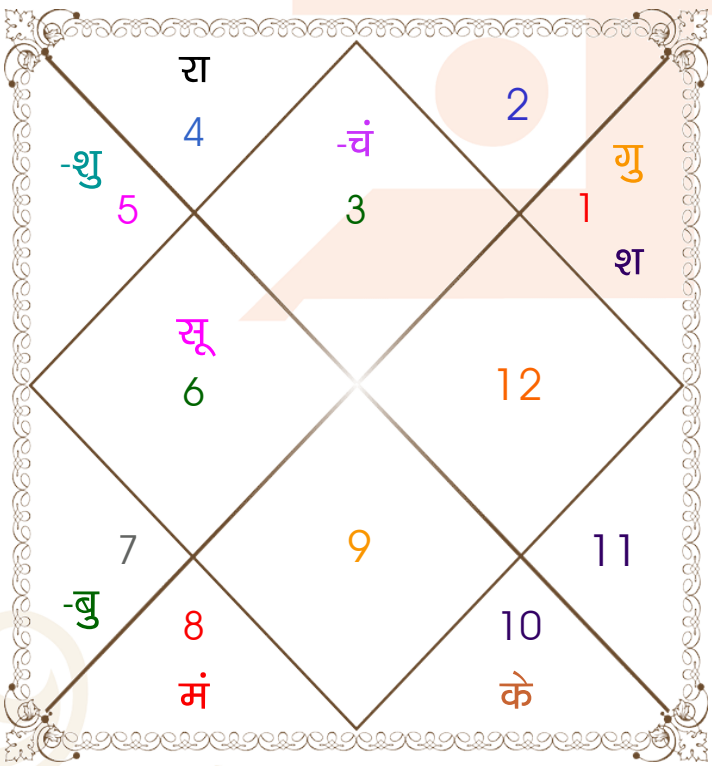

चन्द्र कुंडली

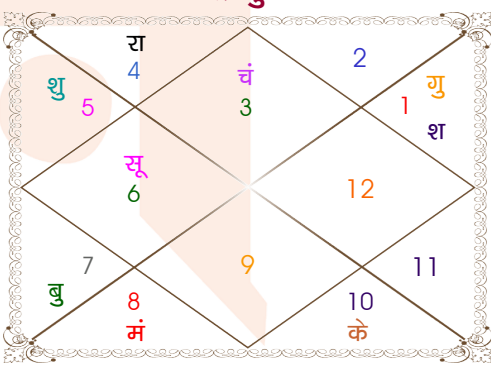

नवमांश कुंडली

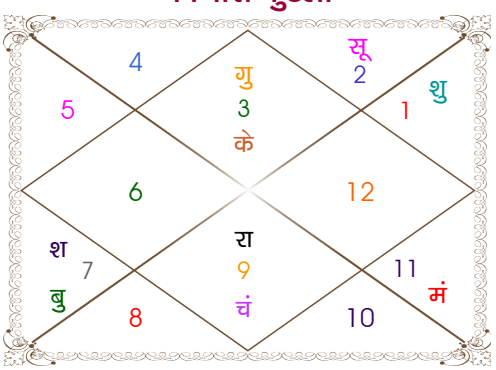

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 1 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/10/1999		23/11/2013		23/11/2029		23/11/2048		23/11/2065	
23/11/2013		23/11/2029		23/11/2048		23/11/2065		23/11/2072	
	02/10/1999	गुरु	11/01/2016	शनि	26/11/2032	बुध	21/04/2051	केतु	21/04/2066
गुरु	29/12/2000	शनि	24/07/2018	बुध	06/08/2035	केतु	17/04/2052	शुक्र	21/06/2067
शनि	05/11/2003	बुध	29/10/2020	केतु	14/09/2036	शुक्र	16/02/2055	सूर्य	27/10/2067
बुध	24/05/2006	केतु	05/10/2021	शुक्र	14/11/2039	सूर्य	24/12/2055	चंद्र	27/05/2068
केतु	12/06/2007	शुक्र	05/06/2024	सूर्य	26/10/2040	चंद्र	24/05/2057	मंगल	23/10/2068
शुक्र	12/06/2010	सूर्य	24/03/2025	चंद्र	27/05/2042	मंगल	21/05/2058	राहु	11/11/2069
सूर्य	06/05/2011	चंद्र	24/07/2026	मंगल	06/07/2043	राहु	08/12/2060	गुरु	18/10/2070
चंद्र	04/11/2012	मंगल	30/06/2027	राहु	12/05/2046	गुरु	16/03/2063	शनि	26/11/2071
मंगल	23/11/2013	राहु	23/11/2029	गुरु	23/11/2048	शनि	23/11/2065	बुध	23/11/2072

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/11/2072		23/11/2092		23/11/2098		24/11/2108		24/11/2115	
23/11/2092		23/11/2098		24/11/2108		24/11/2115		00/00/0000	
शुक्र	24/03/2076	सूर्य	12/03/2093	चंद्र	23/09/2099	मंगल	22/04/2109	राहु	06/08/2118
सूर्य	24/03/2077	चंद्र	11/09/2093	मंगल	24/04/2100	राहु	10/05/2110	गुरु	03/10/2119
चंद्र	23/11/2078	मंगल	17/01/2094	राहु	24/10/2101	गुरु	16/04/2111		00/00/0000
मंगल	23/01/2080	राहु	11/12/2094	गुरु	23/02/2103	शनि	25/05/2112		00/00/0000
राहु	23/01/2083	गुरु	29/09/2095	शनि	24/09/2104	बुध	22/05/2113		00/00/0000
गुरु	23/09/2085	शनि	10/09/2096	बुध	23/02/2106	केतु	18/10/2113		00/00/0000
शनि	23/11/2088	बुध	18/07/2097	केतु	24/09/2106	शुक्र	18/12/2114		00/00/0000
बुध	23/09/2091	केतु	23/11/2097	शुक्र	25/05/2108	सूर्य	25/04/2115		00/00/0000
केतु	23/11/2092	शुक्र	23/11/2098	सूर्य	24/11/2108	चंद्र	24/11/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 1 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।